

# DD-2323

## M. A. (Previous) EXAMINATION, 2020

HINDI

Paper Third

(आधुनिक हिन्दी काव्य)

*Time : Three Hours*

*Maximum Marks : 100*

**नोट :** सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। अशुद्धियों पर अंक काटे जायेंगे।

1. निम्नलिखित पद्यांशों की प्रसंग सहित व्याख्या कीजिए : प्रत्येक 10

(क) हम राज्य लिए मरते हैं।

सच्चा राज्य परन्तु हमारे कर्षक ही करते हैं।

जिनके खेतों में हैं 'अन्न'

कौन अधिक उससे सम्पन्न ?

पत्नी सहित विचरते हैं वे, भव-वैभव भरते हैं,

हम राज्य लिए मरते हैं।

वे गो धन के धनी उदार,

उनको सुलभ सुधा की धार,

सहनशीलता के आगर वे श्रम-सागर तरते हैं।

हम राज्य लिए मरते हैं।

यदि वे करें, उचित है गर्व,

बात बात पे उत्सव पर्व,  
हम से प्रहरी रक्षक जिनके, वे किससे डरते हैं ?  
हम राज्य लिए मरते हैं।

### अथवा

शनि का सुदूर वह नील लोक।  
जिसकी छाया-सा फैला है ऊपर-नीचे यह गगन शोक  
उसके भी परे सुना जाता कोई प्रकाश का महा ओक।  
वह एक किरन अपनी देकर मेरी स्वतंत्रता में सहाय,  
क्या वन सकता ? नियति-जाल से मुक्ति दान का कर  
उपाय।

(ख) तुम्हारा ही अशेष व्यापार,  
हमारा भ्रम मिथ्याहंकार,  
तुम्ही में निराकार साकार,  
मृत्यु-जीवन सब एकाकार।  
अहे महाबुधि ! लहरों से शत लोक, बराबर  
क्रीड़ा करते सतत, तुम्हारे स्फीत वक्ष पर,  
तुंग तरंगों से शत-युग, शत शत कल्पांतर  
उगल, महोदर में विलीन करते तुम सत्वर,  
शत-सहस्र रवि शशि, असंख्य ग्रह, उपग्रह उडुगण  
जलते बुझते हैं, स्फुलिंग से तुम में तत्क्षण  
अचिर विश्व में अखिल, दिखावधि, कर्म वचन, मन  
तुम्हीं चिरंतन  
अरे विवर्तहीन विवर्तन।

### अथवा

प्रिय ! सांध्य गगन,  
मेरा जीवन !  
यह क्षितिज बना धुंधला विराग,  
नव अरुण अरुण मेरा सुहाग,  
छाया-सी काया बीतराग,  
सुधि भीने स्वप्न रंगीन घन !  
साधों का आज सुनहलापन,  
घिरता विषाद का तिमिर सघन  
संध्या का नभ से मूक मिलन  
यह अश्रुमयी हँसती चितवन!  
(ग) उठता हूँ, जाता हूँ, गैलरी में खड़ा हूँ।  
एकाएक वह व्यक्ति  
आँखों के सामने  
गलियों में, सड़कों पर, लोगों की भीड़ में  
चला जा रहा है।  
जिसे मैंने देखा था गुहा में।  
धड़कता है दिल  
कि पुकारने को खुलता है मुँह  
कि अकस्मात्—  
वह दिखा, वह दिखा  
वह फिर खो गया किसी जन-यूथ में .....  
उठी हुई बांह यह उठी रह गयी !!

### अथवा

कर गई चाक  
तिमिर का सीना

जोत की फाँक  
 यह तुम थीं  
 सिकुड़ गई रग-रग  
 झुलस गया अंग-अंग  
 बनाकर टूट छोड़ गया पतझार  
 उलंग असगुन-सा खड़ा रहा कचनार  
 अचानक उमगी डालों की संधि में  
 छरहरी टहनी  
 पोर पोर में गसे थे टूसे  
 यह तुम थी  
 झुका रहा डालें फैलाकर  
 कगार पर खड़ा कोढ़ी गूलर।  
 ऊपर उठ आई भादों की तलइयाँ  
 जुड़ा गया बोने की छाल का रेशा-रेशा  
 यह तुम थी।

2. 'साकेत' के नवम सर्ग के आधार पर उर्मिला का विरह वर्णन कीजिए। 15

**अथवा**

'राम की शक्तिपूजा' कविता का परिचय देते हुए इस कविता की समीक्षा कीजिए।

3. मुक्तिबोध के काव्य शिल्प की विशेषताएँ उदाहरण सहित लिखिए। 15

**अथवा**

नागार्जुन के काव्य की प्रमुख विशेषताओं का उदाहरण सहित संक्षिप्त वर्णन कीजिए।

4. निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच कवियों पर टिप्पणियाँ लिखिए : प्रत्येक 4
- सर्वेश्वर दयाल सक्सेना का जीवन परिचय एवं रचनाएँ
  - हिंदी गजल परपरा और दुष्यंत कुमार
  - रघुवीर सहाय की चार श्रेष्ठ रचनाओं के नाम।
  - धूमिल का काव्य संसार
  - हरिवंशराय बच्चन का जीवन परिचय
  - भवानी प्रसाद मिश्र की चार प्रमुख विशेषताएँ
  - त्रिलोचन की काव्यभाषा की विशेषताएँ
  - रामशेर बहादुर सिंह के काव्य की प्रमुख विशेषताएँ
5. निम्नलिखित प्रश्नों के अति संक्षिप्त उत्तर लिखिए : प्रत्येक 1
- 'खूंटियों पर टंगे लोग' कविता संग्रह के कवि का नाम लिखिए।
  - 'नीचे जल था, ऊपर हिम था, एक तरल था एक सघन .....'  
आपके पाठ्यक्रम में संकलित इस पंक्ति के कवि का नाम लिखिए।
  - आपके पाठ्यक्रम में संकलित श्योपुर, ग्वालियर में जन्मे कवि का नाम लिखिए।
  - 'धिक जीवन जो पाता ही आया है विरोध, धिक साधन जिसके लिए सदा ही किया शोध .....'  
पंक्तियों के कवि का नाम लिखिए।
  - 'कामायनी' के कितने 'सर्ग' आपके पाठ्यक्रम में रखे गए हैं ? लिखिए।
  - 'कुकुरमुत्ता' कविता में कुकुरमुत्ता किसका प्रतीक है ? लिखिए।
  - आपके पाठ्यक्रम में द्रुत पाठ के अंतर्गत कुल कितने कवि संकलित किए गए हैं ? लिखिए।

- (viii) 'नारी तुम केवल श्रद्धा हो, विश्वास रजत नभ पगतल में .....'  
इस पंक्ति के कवि का नाम लिखिए।
- (ix) 'हमने पौधों से कहा' काव्य के कवि का नाम लिखिए।
- (x) द्रुत पाठ के कवि अयोध्या सिंह उपाध्याय का 'उपनाम' क्या है ?  
लिखिए।
- (xi) 'शिशिर विषकन्या' काव्य के कवि का नाम लिखिए।
- (xii) इस काव्य पुस्तक के शीर्षक को पूर्ण कीजिए—'कितनी  
नावों में .....।
- (xiii) इस काव्य शीर्षक को पूर्ण कीजिए—'यह मंदिर का  
दीप .....।
- (xiv) इस काव्य शीर्षक को पूर्ण कीजिए—'पंथ होने दो  
अपरिचित .....।
- (xv) 'सत्य तो बहुत मिले' कविता के कवि का नाम लिखिए।
- (xvi) कविवर जयशंकर प्रसाद का जन्म कब और कहाँ हुआ ?  
लिखिए।
- (xvii) जयशंकर प्रसाद के किसी एक प्रसिद्ध कहानी संग्रह का  
नाम लिखिए।
- (xviii) 'प्रयोगवाद' के प्रवर्तक कवि का नाम लिखिए।
- (xix) मैथिलीशरण गुप्त का जन्म कब और कहाँ हुआ था ?  
लिखिए।
- (xx) 'गुरु तेग बहादुर' पुस्तक के रचयिता का नाम लिखिए।